दिनांक

शब्दकोश

स्पष्ट स्पष्टीकरण स्पष्टवाद स्पष्टवक्ता

सर्व सर्वत्र सर्वोदय सर्वशक्तिमान

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

अनुच्छेद अनुबंध अनुमानित अनुशासित

संभव असंभव संभवत: संभावना

दिनांक

दर्शन दर्शनीय दार्शनिक दर्शनशास्त्र

उत्सर्ग उत्सर्जित उत्सर्जन उत्सर्पण

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

सिद्धार्थ सिद्धांत सिद्धिप्राप्त सिद्धहस्त

बुद्धि बौद्धिक सुबुद्धि बुद्धिहीन

दिनांक

संदिग्ध संदिग्धत्व संदिग्धमति संदिग्धार्थ

समय असमय सामयिक असामयिक

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

सूक्तियाँ

दिनांक

अज्ञान से बढ़कर कोई अंधकार नहीं है।

अतिथि का आदर करना श्रेष्ठ धर्म है।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

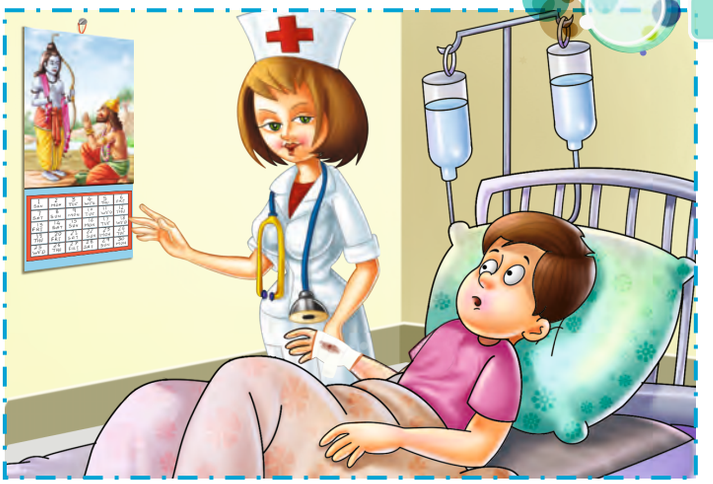

तुफानों में भी पर्वत विचलित नहीं होते।

समय बड़ा से बड़ा घाव भर देता है।

दिनांक

सदैव सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाना चाहिए।

मनुष्य के दुर्गुण उसके सदगुणों का नाश करते हैं।

दिनांक

मनुष्य अपने कर्मों से महान होता है, जन्म से नहीं।

दुसरो की प्रसन्नता से ही सुख प्राप्त होता है।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

मुहावरे

दिनांक

आग में घी डालना।

काला अक्षर भैंस बराबर।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

कागज़ की नाव सदा नहीं बहती।

कंगाली में आटा गीला।

दिनांक

जले पर नमक छिड़कना।

रोज़ कुआँ खोदो, रोज़ पानी पीओ।

दिनांक

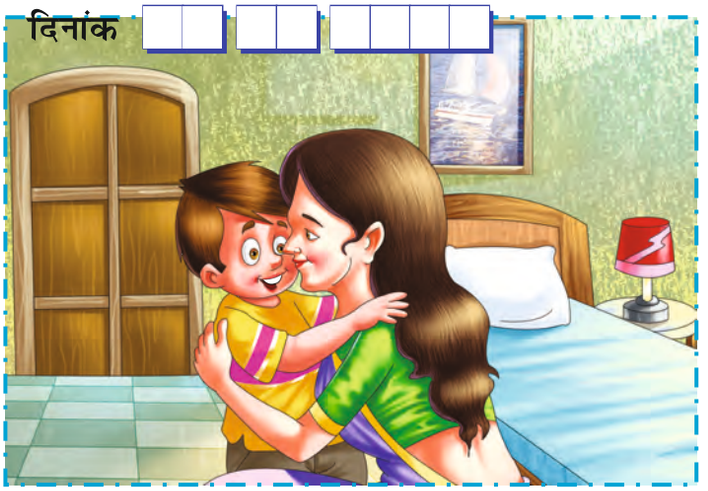

कलेजे से लगाकर रखना।

ईंट का जवाब पत्थर से देना।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

लोकोक्तियाँ

दिनांक

मान न मान मैं तेरा मेहमान।

चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात।

दिनांक

अंधा क्या चाहे, दो आँखें।

खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

जब गीदड़ की शामत आती है, तो वह शहर की ओर भागता है।

दिनांक

साँप मर जाए लाठी न टूटे।

गेहूँ के साथ घुन भी पिसता है।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

★ वाक्य-विचार ★

दिनांक

प्रकृति समस्त प्राणियों की पालिका एवं संरक्षिका है, इसका सौंदर्य वर्णनातीत है।

दिनांक

पर्वतों की सुरम्य घाटियाँ, विस्तृत हरियाली, सूर्य की स्वर्णिम आभा, पक्षियों का कलर व आदि प्रकृति के ही अंश हैं।

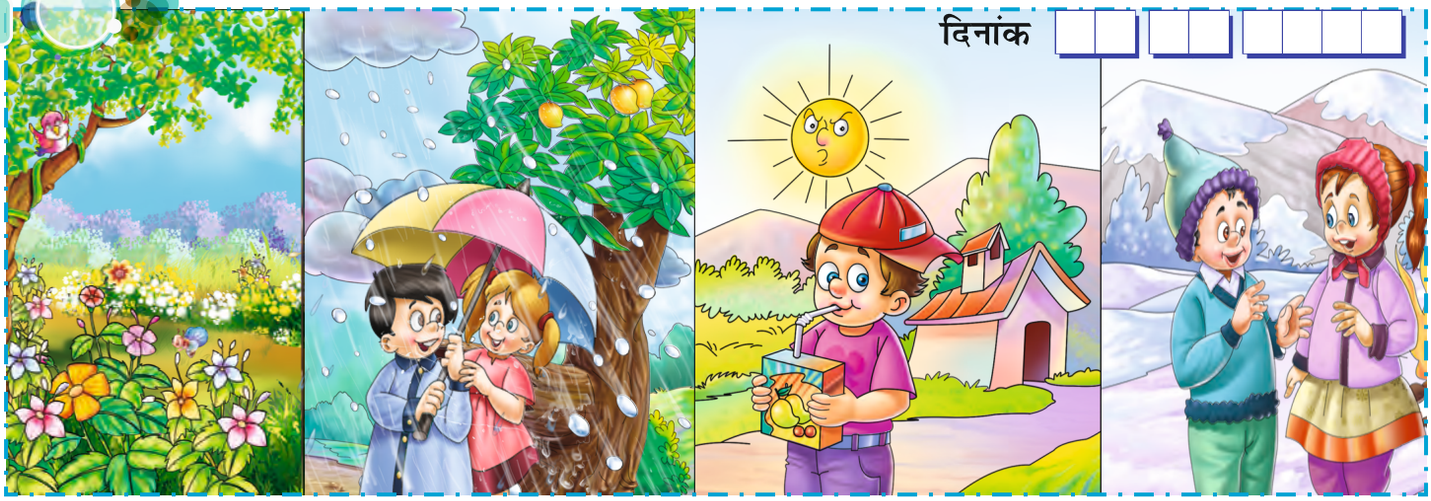

दिनांक

भारत छह ऋतुओं का देश हैं- वसंत, ग्रीष्म वर्षा, शरद, हेमंत एवं पतझड़। ये सभी प्रकृति के अंश हैं।

दिनांक

वैज्ञानिक साधनों के अत्याधिक उपयोग, वृक्षों की कटाई एवं प्राकृतिक संतुलन के बिगड़ने से पर्यावरण संरक्षण में बाधा आती है।

दिनांक

प्रकृति में उपलब्ध स्त्रोतों के संरक्षण के लिए हमारे संप्रयास की आवश्यकता है।

दिनांक

दोहे

विद्या-धन उद्यम बिना, कहो जु पावै कौन।
बिना डुलाए ना मिले, ज्यों पंखे की पौन॥

सरस्वती के भंडार की, बड़ी अपूरब बात।
ज्यों खरचै त्यों त्यों बढ़ै, बिन खरचे घटिजात॥

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

सबै सहायक सबल के, कोउ न निबल सहाय।
पवन जगावत आग को, दीपहिं देत बुझाय॥

माखी गुड़ में गड़ि रही, पंख रहयौ लपटाय।
हाथ मलै और सिर धुनै, लालच बुरी बलाय॥

दिनांक

रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।

जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तरवारि॥

साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।

सार-सार को गहि रहै, थोथा देय उड़ाय॥

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

स्वः प्रेरण

दिनांक

अपने-आप पर भरोसा करनेवाला कभी असफल नहीं होता।

जैसे जल अग्नि को शांत रखता है, वैसे ही ज्ञान मन को शांत रखता है।

दिनांक

आपत्ति का सामना करने में मुस्कान से बड़ा सहायक कोई नहीं हैं।

जलधारा से हमें जीवन- पथ में निरंतर बढ़ते रहने की सीख लेना चाहिए।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

मनुष्य को सदैव भविष्य में आनेवाली विपत्ति के लिए जागरूक रहना चाहिए।

संप्रीति से तृप्त मनुष्य ही सांसारिक सुख और शान्ति प्राप्त करता है।

दिनांक

युग- युग से है अपने पथ पर, देखो खड़ा हिमालय।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

खड़ा हिमालय बता रहा है, डरो न आँधी-पानी से।

दिनांक

डटे रहो तुम अपने पथ पर, सब कठिनाई सहकर भी।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम